

शहीद दविस

30 जनवरी, 2023 को भारत उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये शहीद दविस के रूप में मनाता है, जिनोंने देश के लिये बलिदान दिया। इस दिन को देश के 'बापू', महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में भी चिह्नित किया गया है।

- भारत में शहीद दविस या सर्वोदय दविस वर्ष में कई बार मनाया जाता है।

शहीद दविस:

समृतिभें:

- महात्मा गांधी जनिका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को हुआ था, भारत के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे तथा उन्होंने देश की स्वतंत्रता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इसी दिन वर्ष 1948 में नाथूराम गोडसे ने नई दिल्ली के बडिला हाउस में महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी।

जश्न मनाने का माध्यम:

- भारत ने दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीद दविस मनाया।
- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और तीनों सेना प्रमुख (सेना, वायु सेना और नौसेना) 'राष्ट्रपति' को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

महत्त्व:

- शहीद दविस का महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि महात्मा गांधी ने अहसिक दृष्टिकोण के माध्यम से ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रमुख आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- उनका दर्शन अहसिा, सत्य के लिये लड़ाई (सत्याग्रह), राजनीतिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता (स्वराज) के सिद्धांतों पर आधारित था तथा उनके सिद्धांतों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया।

भारत में अन्य शहीद दविस:

| दविस | परचिय |
|----------|---|
| 23 मार्च | <ul style="list-style-type: none"> इस दिन भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को लाहौर जेल में अंगरेजों ने फाँसी पर लटका दिया था। |
| 19 मई | <ul style="list-style-type: none"> यह असम में 19 मई, 1961 को राज्य पुलिस द्वारा मारे गए लोगों की याद में मनाया जाता है। <ul style="list-style-type: none"> इस दिन को भाषा शहीद दविस के रूप में नामित किया गया था। |
| 13 जुलाई | <ul style="list-style-type: none"> जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरसिंह के शासन के खिलाफ प्रदर्शन करते समय मारे गए लोगों को याद करने के लिये कश्मीर 13 जुलाई को शहीद दविस के रूप में मनाता है। |
| 17 नवंबर | <ul style="list-style-type: none"> ओडिशा इस दिन को प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने के लिये मनाता है। |
| 19 नवंबर | <ul style="list-style-type: none"> रानी लक्ष्मीबाई की जयंती को झाँसी के लोग शहीद दविस के रूप में मनाते हैं। <ul style="list-style-type: none"> यह दिन 1857 के विद्रोह में मारे गए सभी लोगों के योगदान के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। |
| 24 नवंबर | <ul style="list-style-type: none"> सखि समुदाय द्वारा इसे शहीद दविस के रूप में मनाया जाता है |

- क्योंकि यह नौवें सखि **गुरु तेग बहादुर** की पुण्यतिथि है।
- उन्होंने गैर-मुसलमानों के ज़बरन धर्मांतरण का वरिध किया और वर्ष 1675 में मुगल बादशाह औरंगज़ेब द्वारा उनकी हत्या कर दी गई।

[स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/shaheed-diwas-2>

